

This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : 12131301
Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Drama)
Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit, Core, LOCF
Semester : III
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.

1. मुद्राराक्षस नाटक के तीसरे अङ्क के श्लोकों का सार अपने शब्दों में लिखिए।
Write the summary of the verses of the third act of 'Mudrarakshasa'.
2. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'के प्रथम एवं चौथे अङ्क की कथावस्तु का महत्व उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
Describe with examples the importance of the themes of the first and fourth acts of 'Abhijnanashakuntalam'.
3. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के प्रथम एवं छठे अंक के आधार नाट्य सौन्दर्य का वर्णन उदाहरण सहित समझाए।
On the basis of first and sixth act explain the dramatic beauty of 'Svapnavasavadattam' with appropriate examples.
4. संस्कृत नाटक के उद्भव एवं विकास पर विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।
Examine the various views on the origin and development of Sanskrit drama.
5. महाकवि कालिदास के प्रकृति-प्रेम का वर्णन उदाहरण सहित समझाइए।
With the help of suitable examples illustrate kalidasa's love for nature.
6. श्रीहर्ष एवं भवभूति के नाटकों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
Give the introduction of dramas written by shi-harsha and Bhavbhuti.